

प्रेषक,

एल०एम०पंत,

आग्रा भारतीय मिस्टर

उत्तराचल शासन।

सेवामें,

वित्त अधिकारी,

उत्तराचल सचिवालय,

देहरादून।

वित्त अनुभाग—३

देहरादून: दिनांक १७ जून, 2004

विषय—आर०इ०सी० के अन्तर्गत ग्रामीण विद्युतीकरण योजनाओं हेतु आर०इ०सी० से ऋण की धनराशि पर देय व्याज वापस किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर सचिव, उर्जा, उत्तरांचल शासन को सम्बोधित भारत सरकार के उपक्रम आर.ई.सी. लि० के पत्र संख्या : आर०इ०सी०/एफ०आई०एम०/लोन/2004-05/663 दिनांक 4.6.2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि य०पी०सी०एल० को ग्रामीण विद्युतीकरण की कतिपय योजनाओं के लिए आर०इ०सी० द्वारा दिनांक 19.3.2004 एंव 31.3.2004 को अवमुक्त किए गए ऋण पर दिनांक 19.6.2004 तक 3 प्रतिशत की व्याज दर से देय कुल रु० 5,52,881 (रु० पांच लाख बावन हजार आठ सौ इक्यासी मात्र) की धनराशि के व्याज को आर०इ०सी० को भुगतान के लिए व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. स्वीकृत की जा रही उक्त धनराशि के विपरीत रु० 5,52,881. (रु० पांच लाख बावन हजार आठ सौ इक्यासी मात्र) की धनराशि को कोषागार से आहरित करके आज ही रुरल इलैक्ट्रीफिकेशन लिमिटेड, नई दिल्ली के नाम से बैंक ड्राफट कोरियर के माध्यम से भुगतान सुनिश्चित करके शासन को इसकी सूचना दे दी जायेगी। आर०इ०सी० से उक्त भुगतान की पावती प्राप्त कर ली जायेगी।

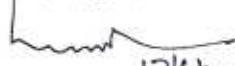
3.इस सम्बन्ध मे होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004—05 के आय व्ययक के अनुदान संख्या—7 के लेखा शीर्षक—2049—व्याज अदायगियां,01 —आन्तरिक ऋणों पर व्याज—आयोजनेत्तर —200—अन्य आन्तरिक ऋणों पर व्याज 07—नावार्ड से प्राप्त ऋण तथा अन्य पर व्याज—00 — 32—लाभांश की मद के नामे डाला जायेगा ।  
संलग्नकःयथेपरि

भवदीय  
  
(एल0एम0पंत)  
अपर सचिव

संख्या—127/ XXVII(3)/2004/ तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः

- (1) महालेखाकार,उत्तरांच,ओबराय मोटर्स माजरा,देहरादून ।
- (2) बरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून
- (3) प्रमुख सचिव,उर्जा ।
- (4) प्रबन्ध निदेशक, यू०पी०सी०एल,उत्तरांचल देहरादून ।
- (5) उर्जा अनुगाम ।
- (6) निदेशक,एन०आई०सी०उत्तरांचल देहरादून ।

भवदीय  
  
(एल0एम0पंत)  
अपर सचिव ।